ISSN: 2393-8900 IMPACT FACTOR : 1.9152(UIF) VOLUME - 4 | ISSUE - 1 | SEPTEMBER - 2017

HISTORICITY RESEARCH JOURNAL

डॉ. नीरजा माधव की कहानियों में चित्रित मध्यवर्गीय पुरुष पात्र

प्रा. अनिल प्रभाकर कांबळे
अध्यक्ष, हिंदी विभाग, समीर गांधी कला महाविद्यालय , माळशिरस, जि. सोलापुर.

- **प्रस्तावना :**

डॉ. नीरजा माधव आधुनिक काल की सशक्त लेखिका मानी जाती है। उन्होंने अनेक प्रकार की साहित्य विधाओं में लेखन किया है । उनमें से कहानी विधा अत्यंत प्रभावी लगती है । अपनी बीस वर्ष की लेखन यात्रा में उन्होंने अनेक पड़ाव पार करते हुए जीवन के यथार्थ को प्रस्तुत किया है । ' चिटके आकाश का सुरज, अभी ठहरो अंधी सदी, आदिमगंध तथा अन्य कहानियाँ , पथदंश , चुप चन्तारा रोना नहीं, प्रेम संबंधो की कहानियाँ. वाया पांड़ेपुर चौराहा ' कुल सात कहानी संग्रह तथा उनमें सम्मिलित 83 कहानियाँ प्रसिद्ध है ।

- **डॉ. नीरजा माधव की कहानियों में चित्रित मध्यवर्गीय पुरुष पात्र :**

डॉ. नीरजा माधव ने सिर्फ नारी जीवन का ही चित्रण किया है, ऐसी बात नही है उन्होंने नारी के साथ-साथ उससे संबंधित पुरुष पात्रों को भी अपनी कहानियों में स्थान दिया है ।

1. ' अनुगूंज ' कहानी का 'समीर' :

अनुगूंज कहानी में समीर आकाशवाणी में उद्घोषक है । श्रोता केवल उसकी आवाज ही सुन पाते हैं परंतु एक समीर की आवाज से इतना प्रभावित हो जाती है कि वह बिना देखे ही अपने एक तरफा प्यार का इजहार कर देती है । एक दिन अनुगूंज समीर को अपने बारे में बताती है और दोनों में प्रेम विवाह हो जाता है। समीर एक ऐसा प्रेमी है जो शक्ल-सुरत से ज्यादा सीरत की कद्र करता है ।

2. ' भंवरी ' कहानी के 'श्यामलाल' :

भंवरी कहानी के श्यामलाल एक स्कुल में अध्यापक थे । उनकी बेटी भंवरी मानसिक मंदता की शिकार थी । एक दिन डब्बू नामक आवारा व्यक्ति भंवरी पर बलात्कार करता है। श्यामलाल अपनी पत्नी को इस घटना के संबंध में मुँह न खोलने के लिए कहते हे । इस घटना से परेशान होकर वे अपनी बेटी को जहर देकर मार डालते है।

3. ' इतना सा सच ' कहानी का 'इमरान' :

इतना सा सच कहानी के इमरान की नीलोफर मंगेतर थी । एक बार नीलोफर और एक अजनबी को हँसते हुए इमरान देखता है तब वह उसे संदेह की दृष्टि से देखता है । इमरान का संदेह उस व्यक्त दूर हो जाता है जब उसे पता चलता है कि वह आदमी एक सेल्समन था ।

4. ' देश के लिए ' कहानी का 'कैप्टन राकेश ':

देश के लिए कहानी में कैप्टन राकेश को डयूटी में लापरवाही बरतने के आरोप में कुछ दिनों के लिए सजा मिली थी । अपने अपमान की पीड़ा भुलाने के लिए वह एक वेश्या के पास चला जाता है। अचानक उसे पता चलता है कि वेश्या राखियाँ बनाती है और सीमा पर लड़ने वाले जवानों के पास भेजती है तब उसके मन में वेश्या के लिए बहन का प्रेम प्रकट होता है। वह उसे छुता तक नहीं है।

5. 'इमी ' कहानी का 'देववंश ':

इमी कहानी का देववंश बी.ए. पास युवक था । उसे खेती करना बिल्कुल पसंद नहीं था। पढ़ा - लिखा बेरोजगार युवक आगे पढ़ना भी नहीं चाहता था। अत: माता - पिता से आज्ञा लेकर वह पास ही के महानगर में नौकरी करने के लिए चला गया । वहाँ उसे बहुत हाथ-पैर मारने पड़े । बेरोजगारी का सामना करना पड़ा।

6. ' अजिब्बा गुरु का शंख ' कहानी के 'अजिब्बा गुरु ':

अजिब्बा गुरु संस्कृत के शिक्षक थे । पिताजी के मृत्यु के बाद अजिब्बा गुरु ने पूजा - पाठ का पैतृक काम अपना लिया था। ठाकुर के साथ चल रहा जमीन का मुकदमा वे हार गये । उसके बाद उन्होंने अपना गाँव छोड़ दिया। परिवार चलाने के लिए बकरी पालने का व्यवसाय शुरू किया उसमें में भी सफल न हो पाए।

7. 'कतरनों वाली फाईल 'के 'राजकिशोर ':

राजकिशोर जी आर.एस्.एस्. में शिक्षक थे । वे हिंदू धर्म की वर्तमान दशा पर चिंतित थे। राजकिशोर जी का दृष्टिकोण यह है कि सभी अपने धर्म को मानें ... बिना एक-दूसरे में हस्तक्षेप किये, तो कोई उन्माद, विवाद ही न हो । लेकिन उनका यह दृष्टिकोण कोई मानने को तैयार नहीं हुआ ।

8. 'रालू ' कहानी का ' रालू ':

कहानी का नायक राम लुटावन निम्न मध्यवर्गीय परिवार का सदस्य है । वह एक प्रसिद्ध अभिनेता बनने के सपनें देखता है । लेकिन एक अभिनेता बनने का सपना देखनेवाला रालू एक बेरोजगार युवक ही रह जाता है ।

9. ' पथदंश ' कहानी का 'मंगरू' :

मंगरू जब अपने साथी राम बिरिछ का ठाँठ - बाँट देखता है तो उसके मन में लालच निर्माण हो जाता है उसे हिंदू धर्म पाखंड़ी , ढ़ोंगी नजर आता है । हिंदू धर्म में रहकर पंडितों की जगह कभी भी नही ं ले पायेंगे यह सोच मंगरू अपनी पत्नी को छोड़कर चला जाता है ।

10. 'ऐरिअर ' कहानी के 'अशोक ' :

ऐरिअर कहानी के अशोक रिटायर होने जा रहे है । उन्हें ऐरिअर मिलने वाला है । अशोक को हफ्तों से बुखार है इस बात की चिंता उनकी पत्नी रेनू को है अशोक अपनी पत्नी के लिए सोने का गहना बनाना चाहते है अपनी बेटीयों के लिए टि.वी. खरीदना चाहते है लेकिन उन्हें अपने सारे पैसे पिता के श्राद्ध के लिए देने पड़ते हैं।

- **निष्कर्ष :-**

निष्कर्षत: कह सकते हैं कि डॉ. नीरजा माधव ने अपनी कहानियों में अनेक पुरुष पात्रों का वर्णन किया है । इन पुरुष पात्रों के बिना कहानी साहित्य अधुरा है।

- **संदर्भ सूची : -**

1. डॉ. नीरजा माधव - चिटके आकाश का सुरज
2. डॉ. नीरजा माधव - अभी ठहरो अंधी सदी
3. डॉ. नीरजा माधव - आदिम गंध तथा अन्य कहानियाँ
4. डॉ. नीरजा माधव - पथदंश
5. डॉ. नीरजा माधव - चुप चन्तारा रोना नहीं ।